प्रदेश को फार्मेसी का हब बनाने पर जोर जापान की 125 कंपनियों ने दिखाई रुचि

यूपी और जापान में फार्मास्युटिकल निर्माण में सहयोग पर चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फार्मास्युटिकल निर्माण, नए प्रयोग और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में जापान की कंसाई फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। उच्च-स्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश और जापान की अग्रणी फार्मा कंपनियों के बीच रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने की जिसमें इन्वेस्ट यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस वर्चुअल सत्र में जापान की 125 से अधिक प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियां मौजूद थीं। वहीं भारत की ओर से दवा कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसोसिएशन के महानिदेशक डॉ. योशिकाजु हयाशी और चुओ गाकुइन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर अत्सुको कामीइके ने किया।

प्रोफेसर कामीइके ने भारत के फार्मा क्षेत्र की नवाचार क्षमता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की सराहना करते हुए भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' कहा। उत्तर प्रदेश की क्षमताओं को रेखांकित करते हुए अवनीश अवस्थी ने बताया कि राज्य एक अग्रणी फार्मा हब बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने केजीएमयू, एसजीपीजीआई, दो अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), 200 से अधिक मेडिकल कॉलेज और 25 से अधिक मेडटेक स्टार्टअप्स की जानकारी दी। ब्यूरो

यूपी और रूस के बीच बढ़ेगा रक्षा-एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश

लखनऊ। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी ने रूसी व्यापार आयुक्त कार्यालय (दिल्ली), इंडिया-रशिया कोलैबोरेशन चैंबर के अध्यक्ष, इन्वेस्ट यूपी रूस डेस्क तथा एसोचैम उत्तर प्रदेश चैप्टर के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की। इसका उद्देश्य व्यापार और रक्षा निर्माण क्षेत्र में द्विपक्षीय निवेश संबंधों को सुदृढ़ करना था। बैठक में रूसी प्रतिनिधियों ने निवेश को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। ब्यूरो